बाली उम्र की मीठी चुदास-2

“दिल्ली के नवविवाहित जोड़े से वाइफ़ स्वैपिंग की पेशकश पाकर हम दोनों को हैरानी हुई, उनसे मुलाक़ात अपने घर पर तय की ! वो मेरे घर आए तो ? कहानी पढ़ कर मजा लें। …”

Story By: राज गर्ग (rajgarg)
Posted: Monday, February 20th, 2017
Categories: बीवी की अदला बदली
Online version: बाली उम्र की मीठी चुदास-2

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

बाली उम्र की मीठी चुदास-2

चलो अब अपनी बात करते हैं।

पिछले हफ्ते मुझे एक सज्जन की ई मेल आई, वो भी मेरे साथ क्लब में आना चाहते थे। मैंने उनसे और बातचीत की, हसबेंड का नाम, शाहिद उम्र 22 साल और बीवी का नाम तरन्नुम उर्फ तन्नु, उम्र मात्र 18 साल।
शादी को सिर्फ 4 महीने हुये थे, वो भी दिल्ली में ही रहते थे।

मैंने उनसे मुलाक़ात की व्यवस्था की अपने घर पर ही!

जब वो मेरे घर आए, तो हम दोनों पति पत्नी तो उन दोनों को देखते ही रह गए।
दोनों बहुत ही नादान से, बचपन से अभी अभी जवान हुये, लड़की तो खैर बिल्कुल बच्चा ही लग रही थी।

मैंने शाहिद से पूछा- शाहिद, तुम लोगों की अभी अभी शादी हुई है, तुम दोनों कहाँ इस वाइफ़ स्वैपिंग में पड़ गए?
वो बोला- अंकल, दरअसल बचपन से हम दोनों के परिवार आपस में एक दूसरे के बहुत नजदीक रहे हैं, दूर से हम आपस में रिश्तेदार हैं। बात दरअसल यह है कि हम दोनों के अम्मी अब्बू भी आपस में यही सब करते हैं। हम दोनों ने ये सब बचपन से ही देखा है। इसके अब्बू मेरे घर आते थे, मेरे अब्बू इसके घर जाते थे। तो हम दोनों के दिल में बचपन से यही ख़्वाहिश थी कि हम भी बड़े हो कर शादी के बाद ऐसा कुछ करेंगे। हमें इस में बहुत अडवेंचर लगता है।

सीमा बोली- तन्नु बेटा, तुम्हें पता है अगर तुम हमारा ग्रुप जॉइन करोगी तो तुम्हें क्या

करना पड़ेगा ?
वो बोली- जी आंटी, मुझे पता है, मैंने अपनी अम्मी, और शाहिद के अम्मी अब्बू को एक साथ देखा है, वो सब करते हुये। तो मुझे सब पता है।

मैंने फिर कहा- मगर बेटा एक तो तुम लोगों की उम्र बहुत छोटी है, दूसरे ये वाइफ़ स्वैपिंग तो तब करते हैं जब अपनी बीवी से मन भर जाता है, और उसके साथ सब तरह से कर के देख लिया जाता है। तुम्हारी तो अभी शादी हुई है, अभी जी भर के एक दूसरे से मिलो, बाद में सोच लेना कभी !

मगर शाहिद बोला- नहीं अंकल, हम सोच कर ही आयें हैं, बल्कि हम तो आज का ही सोच कर आए थे कि आज ही आप से मिल कर सब कुछ करके आएंगे।
सीमा बोली- अरे तुम तो सब तैयारी करके आए हो ?
तन्नु बोली- जी आंटी, हमने तो अपने नीचे के बाल भी साफ कर लिए थे।

उसके बचपने पर बड़ी हंसी आई।
वो भी हंस पड़ी।

मैंने सीमा को देखा और पूछा- क्या कहती हो ?
सीमा बोली- अगर ये तैयार हैं तो देख लेते हैं।

हम उठे और उन दोनों को अपने बेडरूम में ले गए। मैं बेड पर बैठ गया और सीमा उन दोनों के साथ सोफ़े पर बैठ गई।
मैं अपने मन में सोच रहा था कि यार क्या किस्मत पाई है, आज इस नन्ही सी लड़की को चोदने का मौका मिल रहा है।

मैंने शाहिद से पूछा- शाहिद, अगर मैं तुम्हारी बीवी को छू कर देखना चाहूँ, तो तुम्हें कोई

ऐतराज तो नहीं है ?
वो बोला- जी नहीं, बिल्कुल नहीं, आज तो ये सर से पांव तक आपकी है।

मैंने इशारा किया तो तन्नु उठ कर मेरे पास आ गई, गहरे हरे रंग के सूट में वो नई नवेली दुल्हन बहुत ही प्यारी लग रही थी।
मैंने उसे बेड पे बैठने की बजाए अपनी जांघ पर ही बैठा लिया।

बमुश्किल 40 किलो वज़न होगा उसका, फूल से नर्म चूतड़, मैंने उसकी कमर में हाथ डाला और खींच कर अपने लंड के ऊपर ही बैठा लिया।
वो थोड़ा सा शरमाई, क्योंकि समझ तो वो भी गई थी कि मैंने उसे कहाँ बैठाया है।

सबसे पहले मैंने उसका हाथ अपने हाथ में पकड़ा, हर चीज़ उसके बदन की बेहद कोमल और बहुत ही फ्रेश… फ्रेश हो भी क्यों न, अभी अभी तो जवान हुई थी वो।

मैंने सीमा से पूछा- सीमा, तन्नु तो बिल्कुल तुम्हारी बहन सुमन की बेटी जैसी है।
सीमा बोली- हाँ बल्कि उससे थोड़ी छोटी ही होगी, वो तो 19 की हो गई है।

मैंने देखा, शाहिद अभी थोड़ा शर्मा रहा था, सीमा ने उसका हाथ पकड़ा और अपनी जांघ पे रखा- घबराओ मत !
सीमा बोली- हम सब दोस्त हैं, और दोस्तों में आपस में ऐसा प्यार हो जाता है। मुझे कहीं भी छू कर देखो, मैं बुरा नहीं मानूँगी, तुम्हारा छूना मुझे अच्छा लगेगा।

तो शाहिद ने अपना हाथ सीमा की जांघ से उठा कर पहले उसके बालों को छूआ, फिर गाल पे अपनी उंगली घुमाई और उसके बाद उसने अपने हाथ सीमा की छाती पर रखा।
सीमा बोली- सिर्फ छूओ मत, दबा कर देखो !

शाहिद ने सीमा के बूब को अपने हाथ में पकड़ा और दबाया।

‘तन्नु के भी ऐसे ही हौले हौले दबाते हो क्या ?’ सीमा ने पूछा।
शाहिद बोला- नहीं उसके तो ज़ोर ज़ोर से दबाता हूँ।
‘तो मेरे भी खूब ज़ोर से दबाओ !’ सीमा ने उसे जैसे खुली छुट्टी दी, तो शाहिद आगे बढ़ा और उसने अपने दोनों हाथों से सीमा के दोनों बूब्स पकड़ लिए और उसके होंठों को अपने होंठों में ले लिया और चूमने लगा।

उन दोनों को बिज़ी देख कर मैंने भी आगे बढ़ना सही समझा। मैंने तन्नु का सर अपने कंधे पर रख लिया। बेशक तन्नु मुझसे चुदने को तैयार थी, मगर फिर भी मुझे ऐसे फीलिंग आ रही थी जैसे वो मेरी बच्ची हो, मेरी बेटी हो।
मैंने तन्नु से कहा- तन्नु बेटा, अगर तुम मेरी बेटी होती, तो सच में बहुत खुशनसीब होता मैं ! कितनी सुंदर हो तुम !
कह कर मैंने उसके गोरे गुलाबी गाल पर एक हल्का सा चुम्बन लिया।

मुलायम मक्खन जैसा गाल… मैं खुद को रोक नहीं पाया और उसके गाल को ही अपने मुँह में भर कर चूस गया।
‘लवली’ मेरे मुँह से निकला- बहुत ही जूसी हो तुम !
वो शर्मा गई।

अब और आगे बढ़ने का वक़्त था, क्योंकि मनाही तो किसी चीज़ की थी नहीं तो मैंने अपने हाथ तन्नु के सीने पे रखा। कमीज़ के नीचे से उसके ब्रा का एहसास हुआ, जिसमें एक छोटा से बूब था।
मैंने कहा- तुम्हारे बूब तो बहुत छोटे छोटे हैं।
वो सिर्फ मुस्कुरा दी।

मैंने उसका दुपट्टा उतार कर अलग रख दिया। ‘क्या मैं तुम्हारी शर्ट उतार दूँ ?’ मैंने तन्नु से पूछा तो उसने सर हिला कर हाँ कहा।

मैंने उसकी शर्ट ऊपर को उठाई, शर्ट के नीचे से उसने कोई अंडरशर्ट नहीं पहनी थी, सिर्फ ब्रा पहनी थी। दूध जैसा सफ़ेद, बेदाग और बहुत ही मुलायम बदन।
मेरे लिए वो ऐसे थी जैसे शेर को ख़रगोश का शिकार मिल गया हो।

मैंने उसको कंधों से पकड़ा और उसकी ब्रा भी उतार दी।
'अरे वाह…' मेरे मुँह से अपने आप निकल गया।
'अरे सीमा देखो!' मैंने सीमा को कहा- इतना सुंदर बदन तो मैंने आज तक नहीं देखा किसी का!

मैंने सीमा को देखा, वो सोफ़े पर ही अधलेटी सी लेटी थी और शाहिद उसके ऊपर लेटा था, उसने भी सीमा का ब्लाउज़ और ब्रा ऊपर उठा कर उसके दोनों बूब्स बाहर निकाल रखे थे और दोनों को चूस रहा था।

सीमा बोली- सच में, तन्नु तुम तो लाजवाब हो। मगर एक बात कहूँ, मेरा यार भी किसी से कम नहीं।
मैंने कहा- अगर ऐसी बात है तो दिखाओ?
सीमा ने शाहिद को अपने ऊपर से उठाया और खुद भी खड़ी हो गई, और अपने हाथों से उसने शाहिद के सब कपड़े खोले, बेल्ट खोली, जीन्स का बटन, फिर ज़िप, उसके बाद उसकी शर्ट उतरी, और बानियान भी… फिर जीन्स और चड्डी भी उतार दी।
चड्डी उतारते ही शाहिद के दूध जैसा गोरा लंड बाहर निकल आया।
सीमा ने उसका लंड अपने हाथ में पकड़ा और बोली- राज, देखो आज पहली बार मैंने किसी इंडियन मर्द का गोरा लंड देखा है।

मैंने देखा शाहिद का लंड सच में गोरा और चिकना था। सीमा ने थोड़ा सा अपने हाथों से सहलाया तो लड़के का लंड तन गया, लाल सुर्ख रंग का टोपा, सीमा के मुँह के बिल्कुल सामने था।

मैं देख रहा था, जैसे सीमा के चेहरे पे एक अजीब सी चमक और खुशी नज़र आ रही थी।

और मेरे देखते देखते उसने अपनी आँखें बंद की और शाहिद के लंड का टोपा अपने मुँह में ले लिया।
शाहिद भी लंड चुसवाने को उतावला था।

मैंने तन्नु से पूछा- तुम भी लंड चूस लेती हो ?
वो बोली- नहीं, मुझे ये अच्छा नहीं लगता, शाहिद कई बार कहते हैं, मगर मैं नहीं कर पाती ये सब !

मैंने फिर पूछा- तो अगर कोई तुम्हारी चूत चाटे तो ?
वो फिर से शर्मा गई, हाथों से अपना चेहरा ढक लिया मगर सर हिला दिया, मतलब चटवा सकती है, मगर चूसती नहीं।

मुझे क्या फर्क पड़ता था, मैं मिसेज़ गुप्ता का काली, बालों वाली चूत चाट गया था, ये तो एकदम गोरी, अंदर से गुलाबी और बिल्कुल साफ, बिना बालों की चूत थी, इसे तो मैं खा जाऊँ।
मैंने तन्नु को बेड पे लिटाया, और अपने भी सारे कपड़े उतार दिये।

तन्नु लेटे लेटे मुझे नंगा होते देख रही थी। बेशक शाहिद का लंड मेरे लंड से थोड़ा बड़ा था, मगर मेरा लंड उसके लंड से मोटा था।
मैंने तन्नु की दोनों टाँगे खोल कर अपना मुँह उसकी चूत के पास किया, पहले एक प्यार भरा चुम्बन उसकी चूत पर लिया, यह चुम्बन एक सम्मान था उस खूबसूरत चूत का… फिर मैंने अपने पूरा मुँह खोला और तन्नु की पूरी चूत को अपने मुँह में भर लिया।

तन्नु ने एकदम से अपनी टाँगें भींच ली। फिर मैंने अपनी जीभ उसकी चूत की दरार में

घुमाई तो तन्नु ने मेरे सर के बाल पकड़ लिए, शायद उसे बहुत मज़ा आया अपनी चूत चटवा कर !

मैंने अपने दोनों हाथों में उसके दोनों नन्हें नन्हें मासूम से बूब्स पकड़ लिए, ये ऐसे बूब्स थे, जिन्हे सिर्फ प्यार से सहलाया जा सकता था, अभी पूरी तरह से पके नहीं थे कि ज़ोर से मसला जा सके। निप्पल भी आगे से गोल थे, उनकी डोडी अभी उभरी नहीं थी।

दूसरी तरफ सीमा बड़े प्यार से शाहिद का लंड खा रही थी, वो खुद आगे पीछे होकर अपने मुँह को चुदवा रही थी। शाहिद भी उसके दोनों बूब्स को निचोड़ रहा था, शायद लड़के ने पहले कभी लंड नहीं चुसवाया होगा, उसके चेहरे से लग रहा था के उसको बहुत ही ज्यादा मज़ा आ रहा था।

कोई 4-5 मिनट की लंड चुसवाई के बाद शाहिद बोला- आंटी बस करो, नहीं तो मेरा काम हो जाएगा।
सीमा ने उसका लंड अपने मुँह से निकाला और बोली- कोई परवाह नहीं जानेमन, अगर हो जाए, तो माल मुँह में ही गिरा देना, मुझे माल पीने की कोई दिक्कत नहीं !

कह कर वो फिर से शाहिद का लंड चूसने लगी और एक हाथ से उसके आण्ड सहला रही थी।

वही हुआ, अगले ही मिनट लड़के की हिम्मत जवाब दे गई। 'आंटी…' कह कर उसने सीमा के सर बाल पकड़ लिए, 'चोद साली रंडी !' कह कर वो खुद अपनी कमर ज़ोर ज़ोर से चलाने लगा, और 'उम्म्ह… अहह… हय… याह…' करते हुये सीमा के मुँह में ही झड़ गया, उसका जितना भी वीर्य था, सीमा सब पी गई, एक टुपका भी उसने ज़ाया नहीं जाने दिया।

झड़ने के बाद भी शाहिद का लंड अपनी अकड़ नहीं छोड़ रहा था और सीमा अभी भी उसे

चूस रही थी, मगर शाहिद सोफ़े पे निढाल हुआ बैठा था।

तन्नु ने भी सर उठा कर शाहिद को स्खलित होते हुये देखा।मैं उसकी चूत के अंदर तक जीभ डाल कर चाट रहा था और चाहता था कि तन्नु भी स्खलित हो जाये।

मेरी मेहनत रंग लाई और दो मिनट बाद तन्नु भी तड़पने लगी, मैंने कर उसकी कमर को जकड़े रखा, क्योंकि वो बहुत उछल रही थी। सीमा उठ कर आई और उसने भी आ कर तन्नु को दबोच लिया।

शाहिद भी आ कर बेड पर सीमा के पीछे बैठ गया और सीमा नंगे बदन पर कभी चूतड़ों पर, कभी चूचों पर हाथ फेरने लगा। सीमा ने अपना मुँह घूमा कर शाहिद के होंठ चूमे और अपनी जीभ से शाहिद के होंठ चाटने लगी, शाहिद भी सीमा से अपनी जीभ लड़ाने लगा। मेरी जीभ ने अपना काम कर दिखाया और तन्नु को तड़पा तड़पा कर स्खलित कर दिया। जब तन्नु स्खलित हुई तो सीमा का बूब तन्नु के मुँह में था, जिसके निप्पल पर तन्नु ने अपने दाँतों से ज़ोर से काट दिया था।
सीमा को दर्द हुआ, मगर इतना दर्द वो बर्दाश्त करने की आदी थी।

तन्नु की चूत ने जो पानी छोड़ा, वो मैं सारा चाट गया। बिल्कुल फ्रेश, कोई गंध नहीं, सिर्फ हल्का सा टेस्ट, जो मुझे बहुत अच्छा लगता है।
मेरे चाटने से उसकी गोरी चूत से गुलाबी रंग की भगनासा थोड़ी सी बाहर को निकाल आई थी।

सीमा ने तन्नु से पूछा- कैसा लगा तन्नु ?
वो बोली- आंटी बता नहीं सकती, ऐसा मज़ा ज़िंदगी में पहली बार आया।

ग्रुप सेक्स की कहानी जारी रहेगी, इस कहानी पर अपने विचार अवश्य प्रकट करें।

rajgarg304@gmail.com

Other stories you may be interested in

चुदने को बेताब मेरी प्यासी जवानी-2

मेरी सेक्स कहानी के प्रथम भाग चुदने को बेताब मेरी प्यासी जवानी-1 में आपने पढ़ा कि कॉलेज में जाते ही मेरा दिल धड़कने लगा था किसी जवान मर्द के लिए, मेरी प्यासी जवानी मेरे सर चढ़ कर बोल रही थी. […]
Full Story >>>

यार से मिलन की चाह में तीन लंड खा लिए-2

सेक्सी हिंदी कहानी के पहले भाग में आप ने पढ़ा कि मैं फोन पर आशीष के साथ चुदाई की बातों में लगी हुई थी और इधर मेरे जीजा मेरी चूत चाटने के बाद ऊपर की ओर बढ़ आये थे. उन्होंने […]
Full Story >>>

टीचर की यौन वासना की तृप्ति-13

अब तक इस सेक्स कहानी में आपने पढ़ा कि नम्रता और मैं, हम दोनों अपने अपने पार्टनर के साथ रात को चुदाई कर चुके थे. नम्रता मुझे अपने पति के संग हुई चुदाई के बारे में सुनाने में लगी थी. […]
Full Story >>>

ममेरे भाई ने मेरी कुंवारी चूत की चुदाई की-2

मेरी चूत चुदाई की कहानी के पहले भाग ममेरे भाई के साथ मेरी कुंवारी चूत की चुदाई-1 में अब तक आपने पढ़ा कि मेरे ममेरे भाई अर्पित ने मेरे मामा मामी की गैरमौजूदगी में मुझे सेक्स के लिए पटा लिया […]
Full Story >>>

प्यासी भाभी की चूत में लगाई खुशी की चाबी

अन्तर्वासना के सभी यूज़र्स को मेरा नमस्कार ! मैं नितीश कुमार मेरठ उत्तर प्रदेश से हूं और अन्तर्वासना पर हर रोज़ आने वाली कहानियों को पढ़ता रहता हूं। आज मैं आप सब के बीच अपनी कहानी लेकर आया हूं। कहानी लिखने […]
Full Story >>>